Daily Current Affairs
15 June 2022

Index

- द प्राउड बॉयज़
- वे फाइंडिंग एप्लीकेशन
- 8 दिवसीय आम उत्सव (13 जून - 20 जून 2022)
- जगद्गुरु श्रीसंत तुकाराम महाराज शिला मंदिर
- कोयला मंत्रालय द्वारा एकल खिड़की समाधान प्रणाली (एसडब्ल्यूसीएस) के परियोजना सूचना और प्रबंधन मॉड्यूल का शुभारंभ
- आईओ-टेक-वर्ल्ड को पहला टाइप सर्टिफिकेट
- 'अग्निपथ' योजना
- बाबा योगेंद्र का निधन

Important News: International

1. द प्राउड बॉयज़

चर्चा में क्यों:

- एक दूर-दराज़ समूह के सदस्यों, प्राउड बॉयज़ पर यूएस कैपिटल पर "समन्वित हमले" के लिए देशद्रोही साजिश का आरोप लगाया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- द प्राउड बॉयज़ एक अमेरिकी दूर-दराज़, नव-फ़ासीवादी और विशेष रूप से पुरुष संगठन है जो संयुक्त राज्य में राजनीतिक हिंसा को बढ़ावा देता है।
- द प्राउड बॉयज़ का गठन वर्ष 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के समय किया गया था जो एक चरमपंथी समूह हैं।
- द प्राउड बॉयज़ समूह की स्थापना वाइस मीडिया के सह-संस्थापक और पूर्व कमेंटेटर गेविन मैकइन्स द्वारा की गयी थी।
- द प्राउड बॉयज़ समूह के पांच सदस्य, (पूर्व अध्यक्ष सहित) को जून 2022 में संयुक्त राज्य अमेरिका के कैपिटल हमले में उनकी कथित भूमिकाओं के लिए, जून 2022 में देशद्रोही साजिश के आरोपों में आरोपित किया गया है।

स्रोत: द हिंदू

2. वे फाइंडिंग एप्लीकेशन

चर्चा में क्यों:

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा पैलेस डेस नेशन्स, जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओजी) में उपयोग किए जाने वाले 'वे फाइंडिंग एप्लीकेशन' के संबंध में भारत सरकार और संयुक्त राष्ट्र के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

प्रमुख बिंदु:

- संयुक्त राष्ट्र (यूएन) वर्ष 1945 में स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, भारत संयुक्त राष्ट्र का संस्थापक सदस्य है तथा वर्तमान में इसके सदस्य देशों की संख्या 193 है।
- 'वे फाइंडिंग एप्लीकेशन' के विकास की परियोजना की परिकल्पना 2020 में भारत सरकार द्वारा अपनी 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र को दान के रूप में की गई थी।
- इस परियोजना में यूएनएलजी के पैलेस डेस नेशन्स परिसर में दिशा सूचक सुविधा के लिए एक सॉफ्टवेयर-आधारित 'वे फाइंडिंग एप्लीकेशन' का विकास, उसकी तैनाती और उसका रखरखाव शामिल है तथा इस एप्लिकेशन की सहायता से यूएनओजी की पांच इमारतों में फैली 21 मंजिलों के भीतर उपयोगकर्ताओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक अपना रास्ता खोजने में समर्थ बनाया जा सकता है।
- इस ऐप के विकास का कार्य भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (डीओटी) के एक स्वायत्त दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) के द्वारा किया जायेगा।

स्रोत: द हिंदू

3. 8 दिवसीय आम उत्सव (13 जून - 20 जून 2022)

चर्चा में क्यों:

- आम के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, APEDA द्वारा बहरीन में 8 दिवसीय आम उत्सव का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन बहरीन में भारतीय राजदूत श्री पीयूष श्रीवास्तव द्वारा अल जज़ीरा समूह के अध्यक्ष श्री अब्दुल हुसैन खलील दवानी की उपस्थिति में किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- आम के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) द्वारा भारतीय दूतावास और अल जज़ीरा समूह के साथ मिलकर बहरीन साम्राज्य में आठ दिवसीय आम महोत्सव का शुभारंभ किया गया।
- आठ दिवसीय आम महोत्सव में, पूर्वी राज्यों पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और ओडिशा के आम की 34 किस्मों को बहरीन के अल जज़ीरा समूह सुपरमार्केट के आठ अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शित किया गया है।
- आम की 34 किस्मों में से 27 किस्में पश्चिम बंगाल से खरीदी गई हैं, जबकि दो-दो किस्में बिहार, झारखंड, ओडिशा और एक किस्म उत्तर प्रदेश से खरीदी गई हैं।

- आम की सभी किस्मों को सीधे किसानों और दो किसान उत्पादक संगठनों से खरीदा गया है।
- भारतीय आमों की सभी 34 किस्मों को बहरीन के हमला, महूज़, ज़िंग, जफ़र, बुदैया, आदिलिया, सीफ़ और रिफ़ा में स्थित अल जज़ीरा के आठ अलग-अलग स्टोरों में प्रदर्शित किया गया है साथ ही, अल जजीरा बेकरी में तैयार आम का केक, जूस, विभिन्न प्रकार के मैंगो शेक आदि को भी महोत्सव में प्रदर्शित किया गया है।
- पहली बार पूर्वी राज्यों के आमों की 34 किस्मों को बहरीन में प्रदर्शित किया गया है। पहले के अवसरों पर, ज्यादातर वैश्विक शो में अलफांसो, केसर, बंगनपल्ली आदि जैसे दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों से आम की किस्मों को प्रदर्शित किया गया था।

स्रोत: न्यूज़ ऑन एयर

Important News: National

4. जगद्गुरु श्रीसंत तुकाराम महाराज शिला मंदिर

चर्चा में क्यों:

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा देहू, पुणे में जगद्गुरु श्रीसंत तुकाराम महाराज शिला मंदिर का उद्घाटन किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- संत तुकाराम का जन्म वर्ष 1598 में पुणे जिले के देहू गांव में हुआ था, इनके पिता का नाम बोल्होबा और माता का नाम कनकाई था।
- दूसरी पत्नी के कारण होने वाली पारिवारिक कलह के कारण संत तुकाराम नारायणी नदी के उत्तर में स्थित मानतीर्थ पर्वत पर गए और भजन करना शुरू कर दिया, जहाँ उन्होंने भक्ति कविता 'अभंग' की रचना की।
- संत तुकाराम वारकरी संत और कवि थे, जिन्हें अभंग भक्ति कविता और कीर्तनों के नाम से चर्चित आध्यात्मिक गीतों के माध्यम से समुदाय केंद्रित पूजा के लिए जाना जाता है, जगद्गुरु श्रीसंत तुकाराम महाराज के निधन के पश्चात एक शिला मंदिर का निर्माण किया गया लेकिन यह औपचारिक रूप से मंदिर के रूप में निर्मित नहीं हो पाया था, इस मंदिर को 36 चोटियों के साथ पत्थर की चिनाई के माध्यम से बनाया गया है जिसमे संत तुकाराम की मूर्ति विद्यमान है।
- महाराष्ट्र में वारकरी समुदाय के लोग इनकी पूजा अर्चना करते है।

स्रोत: पीआईबी

5. कोयला मंत्रालय द्वारा एकल खिड़की समाधान प्रणाली (एसडब्ल्यूसीएस) के परियोजना सूचना और प्रबंधन मॉड्यूल का शुभारंभ

चर्चा में क्यों:

- कोयला मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में एकल खिड़की समाधान प्रणाली(एसडब्ल्यूसीएस) के परियोजना सूचना और प्रबंधन मॉड्यूल का शुभारंभ किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- कोयला मंत्रालय द्वारा एकल खिड़की समाधान प्रणाली (एसडब्ल्यूसीएस) के परियोजना सूचना और प्रबंधन मॉड्यूल को व्यापार करने में सुगमता की सुविधा के लिए, एक एकीकृत मंच के रूप में तैयार किया गया है।
- एसडब्ल्यूसीएस मॉड्यूल में खनन योजना के अनुमोदन के लिए पहले से ही परिचालन मॉड्यूल और समयबद्ध तरीके से खदान बंद करने की योजना और प्रवेश पोर्टल के साथ एकीकरण के लिए, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के लिए कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) अधिनियम, 1957, की सहमति प्रबंधन प्रणाली की धारा 8 (1) के अंतर्गत आपत्ति की डिजिटल स्वीकृति को शामिल किया गया है।
- इस परियोजना का उद्देश्य सूचना और प्रबंधन मॉड्यूल खान आवंटनकर्ता और मंत्रालय के बीच डिजिटल संपर्क को पूरा करना और संबंधित ब्लॉक के संबंध में डिजिटल समाधान प्रदान करना है।
- एसडब्ल्यूसीएस मॉड्यूल में अनेक विशेषताओं को शामिल किया गया है जिसमे बैंक गारंटी, अग्रिम भुगतान, प्रमुख मंजूरी, कारण बताओ नोटिस और अदालती मामलों का प्रबंधन जैसी अनेक विशेषताएं शामिल है।

स्रोत: पीआईबी

6. आईओ-टेक-वर्ल्ड को पहला टाइप सर्टिफिकेट

चर्चा में क्यों:

- केंद्रीय नागर विमानन मंत्री द्वारा ड्रोन नियम, 2021 के तहत गुरुग्राम स्थित आईओ-टेक-वर्ल्ड को पहला टाइप सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- आईओ-टेक-वर्ल्ड को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म पर अपना ऑनलाइन आवेदन जमा करने के 34 दिनों के पश्चात यह टाइप सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है।
- ड्रोन नियम, 2021 को 25 अगस्त, 2021 को अधिसूचित किया गया था तथा ड्रोन के लिए टाइप सर्टिफिकेट (टीसी) प्राप्त करने के लिए 'मानव रहित विमान प्रणालियों (सीएसयूएएस) के लिए प्रमाणन योजना' को 26 जनवरी, 2022 को अधिसूचित किया गया था।
- भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा अनुमोदित तीन विश्व-प्रसिद्ध प्रमाणन निकाय (सीबी) हैं - टीक्यू सर्ट, यूएल इंडिया और ब्यूरो वैरिटस, तथा ड्रोन निर्माता अपने ड्रोन प्रोटोटाइप के परीक्षण के लिए किसी भी प्रमाणन निकाय से संपर्क करने के लिए स्वतंत्र हैं।
- ड्रोन अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों में जबरदस्त लाभ प्रदान करते हैं जिसमे- कृषि, खनन, बुनियादी ढांचा, निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया, परिवहन, भू-स्थानिक मानचित्रण, रक्षा और कानून प्रवर्तन जैसे क्षेत्र शामिल है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Defence

7. 'अग्निपथ' योजना

चर्चा में क्यों:

- एक परिवर्तनकारी सुधार के तहत कैबिनेट द्वारा सशस्त्र बलों में युवाओं की भर्ती के लिए 'अग्निपथ' योजना को मंजूरी प्रदान की गयी है।

प्रमुख बिंदु:

- 'अग्निपथ' योजना में संबंधित सेवा अधिनियमों के तहत चार साल के लिए अग्निवीरो को नामांकित किए जायेगा।
- 'अग्निपथ' योजना का उद्देश्य ऐसे युवाओं को अवसर प्रदान करना है जो समाज से युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करके वर्दी धारण करने के प्रति इच्छुक हो सकते हैं तथा जो समकालीन तकनीकी प्रवृत्तियों के अनुरूप हैं और समाज में कुशल, अनुशासित और प्रेरित जनशक्ति की पूर्ति करते हैं।
- अग्निवीरों को तीन सेनाओं में लागू जोखिम और कठिनाई भत्ते के साथ एक आकर्षक अनुकूलित मासिक पैकेज प्रदान किया जाएगा तथा चार साल की कार्यावधि के पूरा होने पर, अग्निवीरों को

एकमुश्त 'सेवा निधि' पैकेज का भुगतान किया जाएगा, जिसमें उनका योगदान शामिल होगा साथ ही उस पर अर्जित ब्याज और सरकार से उनके योगदान की संचित राशि के बराबर योगदान को भी शामिल किया जायेगा।

- 'अग्निपथ' योजना के तहत गठित 'सेवा निधि' को आयकर से छूट दी जाएगी तथा ग्रेच्युटी और पेंशन संबंधी लाभों का कोई अधिकार नहीं होगा परन्तु अग्निवीरों को भारतीय सशस्त्र बलों में उनकी कार्यावधि के लिए 48 लाख रुपये का गैर-अंशदायी जीवन बीमा कवर प्रदान किया जाएगा।
- नोट- इस वर्ष 'अग्निपथ' योजना के तहत कुल 46,000अग्निवीरो को भर्ती किया जायेगा।

स्रोत: न्यूज़ ऑन एयर

Important News: Personality

8. बाबा योगेंद्र का निधन

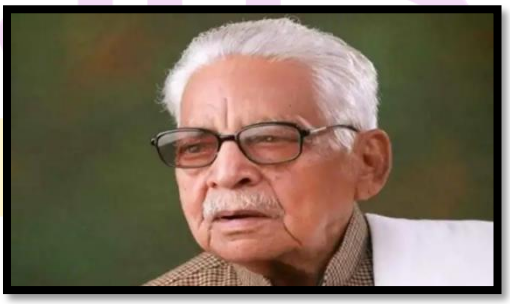

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बाबा योगेंद्र, पद्मश्री और संस्कार भारती के राष्ट्रीय संरक्षक के निधन पर शोक व्यक्त किया गया।
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सांस्कृतिक शाखा संस्कार भारती के संस्थापक सदस्य बाबा योगेंद्र का 98 वर्ष की आयु में लखनऊ में निधन हो गया।
- बाबा योगेंद्र का जन्म उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में हुआ था।
- बाबा योगेंद्र नानाजी देशमुख के संपर्क में आने के पश्चात बाबा योगेंद्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बने।

स्रोत: न्यूज़ ऑन एयर

BYJU'S EXAM PREP